जन्माष्टमी पर राजबाड़ा क्षेत्र में शाम 5 बजे बाद वाहनों की नो-एंट्री

- दो दिन बदलेगी यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए चार पार्किंग स्थल तय
- एयरपोर्ट जाने वालों को वैकल्पिक मार्ग से निकलना होगा

नव भारत न्यूज

इंदौर. जन्माष्टमी और गोगा नवमी पर राजबाड़ा व आसपास के धार्मिक स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने 4 और 5 सितंबर को विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है. जन्माष्टमी पर शाम 5 बजे बाद राजबाड़ा की ओर कई रास्तों से वाहनों की आवाजाही रोक दी जाएगी. भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त डायवर्शन भी किया जा सकता है.

राजबाड़ा क्षेत्र में बांके बिहारी मंदिर, गोपाल मंदिर, यशोदा माता मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे. इसके अलावा नरसिंह बाजार, गौराकुंड और छीपाबाकल क्षेत्र में मटकी फोड़ आयोजन के चलते भी यातायात प्रभावित रहेगा.

इन रास्तों पर रहेगा प्रतिबंध...

बांके बिहारी मंदिर से गोपाल मंदिर, इमामबाड़ा, सराफा, विजय चाट चौराहा होते हुए यशोदा माता मंदिर तक वाहनों की आवाजाही और पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी. फ्रूट मार्केट चौराहे से शाम 5 बजे बाद राजबाड़ा की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे. हरसिद्धि और मच्छी बाजार की ओर से आने वाले वाहन यशवंत रोड चौराहे से राजबाड़ा नहीं जा सकेंगे. इन्हें आड़ा बाजार-नंदलालपुरा की ओर डायवर्ट किया जाएगा. बड़ा गणपति से टोरी कॉर्नर-गौराकुंड होकर राजबाड़ा जाने वाला यातायात मल्हारगंज थाने के सामने से आगे नहीं जा सकेगा. वाहन छीपाबाकल-बड़वाली चौकी होकर निकलेंगे. रामलक्ष्मण बर्तन बाजार चौराहे से यशोदा माता मंदिर तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी. नरसिंह बाजार चौराहे से द्वारकाधीश मंदिर की ओर शाम 5 बजे बाद वाहन प्रतिबंधित रहेंगे.

सिटी बसें भी राजबाड़ा नहीं जाएंगी...

शाम 5 बजे बाद मृगनयनी और फ्रूट मार्केट की ओर से आने वाली सिटी बसें राजबाड़ा के बजाय संजय सेतु की ओर संचालित होंगी. वहीं कलेक्ट्रेट और हरसिद्धि की ओर से आने वाली बसें हरसिद्धि मंदिर चौराहे से आगे नहीं जा सकेंगी. बड़ा गणपति से एमजी रोड होकर राजबाड़ा जाने वाले वाहन चालकों को सुभाष मार्ग का इस्तेमाल करना होगा.

एयरपोर्ट जाने वालों के लिए दो विकल्प...

राजबाड़ा क्षेत्र में डायवर्शन के दौरान एयरपोर्ट जाने वाले यात्री कलेक्ट्रेट-महू नाका-गंगवाल होकर एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे. दूसरा विकल्प विजयनगर-सुपर कॉरिडोर-बिजासन मार्ग रहेगा.

इन पार्किंग स्थलों का करें इस्तेमाल...

श्रद्धालुओं के लिए कृष्णपुरा छत्री, सुभाष चौक पानी की टंकी, संजय सेतु के पास मल्टीलेवल पार्किंग और बाजाज खाना पार्किंग निर्धारित की गई है. यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में अनावश्यक वाहन लेकर न आएं और निर्धारित पार्किंग का उपयोग करें. आपातकालीन सेवा वाले वाहनों पर प्रतिबंध नहीं रहेगा. यातायात व्यवस्था में समस्या होने पर ट्रैफिक हेल्पलाइन सूचना दी जा सकती है. पुलिस ने कहा है कि भीड़ और यातायात दबाव की स्थिति के अनुसार डायवर्शन के समय में बदलाव या अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं.

19 साल के युवक का बैंक खाता कई राज्यों की साइबर ठगी से जुड़ा

बिहार, हिमाचल और राजस्थान की शिकायतों में मिला लिंक, क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश के अलग अलग राज्यों में दर्ज साइबर ठगी की शिकायतों की जांच के दौरान इंदौर के 19 वर्षीय युवक का बैंक खाता संदिग्ध म्यूल अकाउंट के रूप में सामने आया है. क्राइम ब्रांच के अनुसार खाते से बिहार, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड की शिकायतों का लिंक मिला है.

पुलिस ने खाताधारक वासु पंवार उम्र 19 साल निवासी इंदिरा एकता नगर, मूसाखेड़ी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. क्राइम ब्रांच को ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय से संदिग्ध म्यूल बैंक खातों से संबंधित डेटा मिला था. इसके परीक्षण के दौरान एक बैंक खाते पर संदेह हुआ. बैंक रिकॉर्ड खंगालने पर यह खाता वासु पंवार के नाम पर होना सामने आया. इसके बाद खाते से जुड़ी जानकारी का एनसीआरपी पर दर्ज साइबर अपराध की शिकायतों से मिलान किया तो बिहार, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों की साइबर ठगी की शिकायतों का लिंक मिला. प्रथम दृष्टया सामने आया है कि खाते का इस्तेमाल साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों में किया. इसके बाद क्राइम ब्रांच थाने में वासु पंवार और अन्य संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ 2 सितंबर को प्रकरण दर्ज किया. अब पुलिस खाते से हुए संदिग्ध लेन-देन, उसे संचालित करने वाले वास्तविक व्यक्ति और खाते को साइबर ठगी के लिए उपलब्ध कराने में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल कर रही है. विभिन्न राज्यों में दर्ज शिकायतों के संबंध में वहां की पुलिस और जांच एजेंसियों से भी समन्वय किया जा रहा है. जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि खाते में साइबर ठगी की रकम किन खातों से आई और रकम आगे कहां ट्रांसफर की गई. पुलिस को संदेह है कि खाते का इस्तेमाल किसी बड़े साइबर नेटवर्क के लिए किया हो सकता है. जांच आगे बढ़ने पर खाते से जुड़े अन्य लोगों और लेन-देन की पूरी कड़ी सामने आने की उम्मीद है.

जांच चल रही है, डीसीपी राजेश त्रिपाठी...

ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत मिले डेटा की जांच में उक्त बैंक खाते का लिंक कई राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड की शिकायतों से सामने आया है. खाते के लेन-देन और उसके वास्तविक उपयोगकर्ता की जांच की जा रही है. खाते के संचालन में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है.

चोरल में ट्रक की चपेट में आया एक्टिवा सवार युवक, मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. राखी से जन्माष्टमी के बीच इंदौर के सीमावर्ती इलाकों की सड़कों पर हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है. चोरल में ट्रक की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया. इससे पहले भी पिगडंबर, भमोरी और दुधिया में ट्रक-बाइक हादसों में छात्रों समेत तीन युवाओं की जान जा चुकी है.

सिमरोल थाना क्षेत्र के चोरल में यादव ढाबे के पास राजेंद्र नगर निवासी 18 वर्षीय धीरज पिता रमेश अपने साथी के साथ एक्टिवा से इंदौर की ओर आ रहा था. क्रॉसिंग पर मुड़ने के दौरान पास से गुजर रहे ट्रक का साइड से टक्कर लगने पर दोनों सड़क पर गिर गए. हादसे में धीरज को गंभीर चोट आई, उसका साथी उसे एंबुलेंस से अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है. त्योहार के दौरान सीमावर्ती इलाकों में हुए हादसों पर नजर डालें तो पिगडंबर के पास मेडिकेप्स के छात्र अथर्व पिता अमित कटाने, निवासी छिंदवाड़ा, को ट्रक ने कुचल दिया था. भमोरी में 24 वर्षीय तरुणा यदुवंशी, निवासी रेहटी, सीहोर, ट्रक की चपेट में आ गई थी. तरुणा नीट की छात्रा थी और भाई पवन के साथ राखी मनाकर इंदौर लौट रही थी. दुधिया में 17 वर्षीय अभिषेक कजले, निवासी देवास, अपने जीजा हर्ष के साथ बाइक से इंदौर आ रहा था, तभी हादसे में उसकी भी मौत हो गई. अब चोरल में धीरज की मौत ने त्योहार के दौरान सीमावर्ती मार्गों पर बढ़ते हादसों को फिर सामने ला दिया है.

एक नजर में

यशवंत पब्लिक विद्यालय में बैज समारोह का आयोजन

इंदौर. यशवंत पब्लिक विद्यालय में बैज समारोह का गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना विकसित करना था. इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक ओमप्रकाश अग्रवाल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रधानाचार्या जयश्री नायर, मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रधानाचार्या संजीवनी भावसार एवं उप-निदेशक दिव्या अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. कार्यक्रम के दौरान निदेशक ओमप्रकाश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नेतृत्व एवं जिम्मेदारी के महत्व को बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से समझाया. उन्होंने बताया कि किसी विद्यार्थी को बैज मिलना केवल सम्मान की बात नहीं है, बल्कि उसके साथ एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रधानाचार्या जयश्री नायर ने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश दिया. इसके पश्चात मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रधानाचार्या संजीवनी भावसार ने विद्यार्थियों को संबोधित किया. उन्होंने नेतृत्व, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के महत्व को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया. कार्यक्रम में उप-निदेशक दिव्या अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को सुंदर एवं उत्साहवर्धक संबोधन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हुए उन्हें अपने नए दायित्वों को सकारात्मक सोच, लगन एवं जिम्मेदारी के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद बैज प्रदान समारोह का मुख्य चरण प्रारंभ हुआ. विद्यालय के प्रधान छात्र सागर, प्रधान छात्रा दिव्यानी खेडेकर, उप-प्रधान छात्र शिवम जायसवाल, उप-प्रधान छात्रा शांभवी तथा खेल सचिव आयुषी दवार एवं योगेंद्र को उनके पदों के अनुसार बैज प्रदान किए गए. इन विद्यार्थियों ने विद्यालय के नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ग्रहण की. इसके पश्चात विभिन्न सदनों के कप्तानों एवं उप-कप्तानों को बैज प्रदान किए गए.

माउंट लिटरा ज़ी स्कूल में मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

महू. माउंट लिटरा ज़ी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, उल्लास एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम में विद्यालय परिसर सुंदर सजावट के साथ कृष्णमय नज़र आया. विद्यार्थियों के चारों हाउसों के मध्य आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ सहभागिता की. महात्मा गाँधी हाउस ने सबसे कम समय में मटकी फोड़ कर जीत हासिल की. प्री प्राइमरी सेक्शन के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने श्रीकृष्ण और राधा की मनमोहक बाल लीलाओं की प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों तथा शिक्षकों का मन मोह लिया. विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी महू नगर मंडल के अध्यक्ष तथा उत्तम पेट्रोल पंप के संचालक एडवोकेट पीयूष अग्रवाल थे. विशेष अतिथि के रूप में महू जनपद अध्यक्ष तथा प्रतिभा पैथोलॉजी के संचालक सरदार मालवीया पधारे. विद्यालय के चेयरमैन तारिक़ कुरैशी ने विद्यार्थियों को सर्वधर्म समभाव का संदेश देते हुए सभी धर्मों एवं संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित किया. प्राचार्य राकेश भाटिया तथा विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों के अथक प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना की. कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका के मार्गदर्शन में विद्यालय के विद्यार्थियों इनाया कुरैशी, अद्विका अवस्थी, रुश्दा कुरैशी, सायना मैती, हृदयांश तिवारी तथा नमामि शंकर सैनी द्वारा किया गया. विद्यालय की छात्रा मुनताहा कुरैशी ने आभार माना.

खेत में खून से सनी मिली किसान की लाश

नव भारत न्यूज

इंदौर. गौतमपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम भील बड़ोली में 45 वर्षीय किसान की अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी. किसान विष्णु पिता रामसिंह तंवर का शव गुरुवार सुबह गांव के ही किसान मोहन के खेत में खून से सना मिला. किसान के सिर पर पत्थर से वार कर हत्या की गई है. प्रारंभिक जांच में उसके शरीर पर चाकू के वार के निशान भी मिले हैं.

थाना प्रभारी अलका मेनिया ने बताया कि विष्णु बुधवार शाम करीब 6 बजे अपने बेटे दीपराज से गांव जाने की कहकर घर से निकला था. रात करीब 11 बजे बेटे ने उसे खाना खाने के लिए फोन लगाया, लेकिन मोबाइल बंद मिला. देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन ने आसपास उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चला. गुरुवार सुबह गांव के लोग खेत पर काम करने पहुंचे तो वहां विष्णु की खून से सनी लाश पड़ी देखकर पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि बदमाशों ने पहले किसान पर चाकू से हमला किया और इसके बाद पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी, हत्या के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है. पुलिस परिवार के लोगों और ग्रामीणों से पूछताछ के साथ ही मृतक के संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटा रही है. अज्ञात आरोपियों की तलाश में जांच जारी है.

पिस्टल लेकर घूम रहा था, साथी की स्कूटी से निकले चार हथियार

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को पकड़ा, तीन देशी पिस्टल, कट्टा और चार कारतूस बरामद

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों की तस्करी और परिवहन के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एक आरोपी के पास पिस्टल मिली, जिसने पूछताछ में अपने साथी के पास हथियार होने की जानकारी दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्कूटी की डिक्की से तीन पिस्टल, एक कट्टा और चार कारतूस बरामद किए.

क्राइम ब्रांच की टीम 2 सितंबर को क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि न्यू आजाद नगर निवासी मो. शादाब खान पिस्टल लेकर घूम रहा है, टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा. पूछताछ में शादाब ने बताया कि उसका साथी आरिफ खान दस्तूर डिलाइट गार्डन के पीछे मैदान में स्कूटी के साथ खड़ा है और उसके पास अवैध हथियार हैं. पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आजाद नगर निवासी आरिफ खान को सुजुकी एक्सेस स्कूटी के साथ पकड़ लिया. स्कूटी की सीट के नीचे बनी डिक्की की तलाशी लेने पर तीन देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और चार जिंदा कारतूस मिले, बरामद पिस्टलों में दो पर मैगजीन लगी हुई थी. हथियार रखने का लाइसेंस नहीं मिलने पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर हथियार और स्कूटी जब्त कर ली. शादाब 10वीं तक पढ़ा है और गाड़ियों में डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता है, जबकि आरिफ आठवीं तक शिक्षित है और टायर रिमोल्डिंग का काम करता है. दोनों के खिलाफ पहले भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं. शादाब के खिलाफ तुकोगंज थाने में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी का मामला दर्ज है, जबकि आरिफ के खिलाफ आजाद नगर थाने में जुआ एक्ट का प्रकरण दर्ज है. पुलिस अब यह पता लगा रही है कि हथियार दोनों तक कहां से पहुंचे और इन्हें किसे सप्लाई किया जाना था. डीसीपी राजेश त्रिपाठी का कहना है कि आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर हथियारों के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है.

सात पिस्टल और एक कट्टा जब्त...

वर्ष 2026 में अब तक आर्म्स एक्ट के दो मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इन कार्रवाई में सात देशी पिस्टल, एक कट्टा और आठ जिंदा कारतूस के साथ करीब सात लाख कीमत के हथियार और वाहन जब्त किए जा चुके हैं.

अर्टिगा के हैंडरेस्ट में छिपा रखी थी एमडी ड्रग्स, तीन गिरफ्तार

संदिग्ध हालत में खड़ी कार में 17 ग्राम ड्रग्स मिली, 9.70 लाख का माल जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने शिवाजीनगर सब्जी मंडी रोड पर बिना नंबर की अर्टिगा कार में बैठे तीन युवकों को 17 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा है. आरोपी कार के ड्राइवर सीट के पास हैंडरेस्ट के अंदर ड्रग्स छिपाकर रखे थे. पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर कार समेत करीब 9.70 लाख रुपए का माल जब्त किया है.

क्राइम ब्रांच की टीम 3 सितंबर को मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संदिग्धों की तलाश में शिवाजीनगर सब्जी मंडी रोड पर गश्त कर रही थी. इसी दौरान सड़क किनारे बिना नंबर की सफेद अर्टिगा में तीन युवक संदिग्ध हालत में बैठे दिखाई दिए. पुलिस ने घेराबंदी कर पूछताछ की तो उन्होंने अपनी पहचान रोहित वर्मा, क्रिश दुबे और समीर अहीर के रूप में बताई. कार की तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के पास बने हैंडरेस्ट के अंदर 17 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली. इसकी अनुमानित कीमत 1.70 लाख रुपए बताई गई है. पुलिस ने करीब 8 लाख रुपए कीमत की अर्टिगा भी जब्त की है. गिरफ्तार आरोपियों में रोहित वर्मा खजराना क्षेत्र का रहने वाला है और नौवीं तक पढ़ा है. वह सोफे पर कवर चढ़ाने का काम करता है.

क्रिश दुबे एमआईजी क्षेत्र का निवासी है और बीकॉम तृतीय वर्ष का छात्र है, जबकि समीर अहीर भी एमआईजी क्षेत्र का रहने वाला है और आठवीं तक पढ़ा है. पुलिस अब यह पता लगा रही है कि तीनों के पास ड्रग्स कहां से आई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था. पूछताछ में इनके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों और ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है. क्राइम ब्रांच ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है. मामले में एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने नव भारत को बताया कि क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को 17 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा है. आरोपियों से ड्रग्स के स्रोत, खरीदी-बिक्री और इनके संपर्क में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है, जांच के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

खाटू श्याम मंदिर की दानपेटी तोड़ 70 हजार ले गए चोर

नव भारत न्यूज

इंदौर. ग्रामीण इलाकों में चोरों के हौसले बढ़े हुए हैं, बेटमा के गुरुकृपा कॉलोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर में घुसे चोर ताला तोड़कर दानपेटी से करीब 60 से 70 हजार रुपए ले गए. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है. इसी क्षेत्र में दो कमरों से मोबाइल और नकदी चोरी होने की घटनाएं भी सामने आई हैं.

बेटमा थाने से मिली जानकारी के अनुसार गुरुकृपा कॉलोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर में चोरों ने रात के समय धावा बोला. मंदिर का ताला तोड़कर अंदर घुसे बदमाश दानपेटी अपने साथ ले गए. बाद में दानपेटी से रकम निकालकर उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए. दानपेटी में करीब 60 से 70 हजार रुपए होने की जानकारी सामने आई है. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है. इसी तरह बेटमा की जीवन ज्योति कॉलोनी में शुभम पिता महेश पाल के किराए के कमरे में घुसे चोर दो मोबाइल चुरा ले गए. पड़ोसी निलेश के कमरे को भी चोरों ने निशाना बनाया और वहां से 11 हजार रुपए से अधिक की नकदी चोरी कर ली. दोनों घटनाओं में पुलिस संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है. उधर, बड़गोंदा थाना क्षेत्र के गवली पलासिया में संतोषी पति श्रीराम कतीजा के मकान में भी चोरी हो गई. घर में घुसे बदमाश सोने-चांदी के जेवर और करीब 10 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए. पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है.

एक नजर में — मामला पाटनीपुरा क्षेत्र में लालपुरा का, एक दिव्यांग बालिका की पेंशन भी हुई बंद

पेंशन बंद होने से वृद्धाएं हो रही परेशान, कहीं नहीं हो रही सुनवाई

इंदौर. सरकार बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए हर महीने 600 रुपए देती है लेकिन सवाल यह है कि जब पात्र बुजुर्गों ने बार-बार केवाईसी कराई, आवेदन दिए और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटे तो आखिर उनकी पेंशन क्यों नहीं लौट रही?

वृद्धावस्था पेंशन के नाम पर सरकार भले ही सामाजिक सुरक्षा का दावा करे लेकिन पाटनीपुरा क्षेत्र के लालपुरा में सामने आए मामले इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं. यहां कुछ बुजुर्ग महिलाओं की पेंशन पिछले पांच वर्षों से बंद है जबकि कुछ की पेंशन चार महीने से अटकी हुई है. हैरानी यह कि हितग्राहियों का कहना है कि उन्होंने कई बार केवाईसी कराई, आवेदन दिए और पार्षद से लेकर नगर निगम तथा बैंक तक के चक्कर लगाए फिर भी पेंशन शुरू नहीं हुई. एक बीपीएल परिवार की दिव्यांग बालिका की पेंशन भी वर्षों से बंद होने की बात सामने आई है.

सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक मध्यप्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत पात्र वृद्ध दिव्यांग सहित अन्य हितग्राहियों को 600 रुपए प्रतिमाह दिए जाते हैं. वहीं सरकार के ही 2025 के दस्तावेज में करीब 56 लाख पेंशन हितग्राहियों में से करीब 3.50 लाख की ई-केवाईसी सत्यापित नहीं होने की बात सामने आई थी, बाद के विभागीय पत्र में पोर्टल पर ई-केवाईसी की तकनीकी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया तो सवाल यह है कि जब केवाईसी कराने के बाद भी पेंशन नहीं मिल रही तो जिम्मेदारी किसकी है? क्या सरकारी व्यवस्था में ऐसी कोई प्रभावी निगरानी नहीं है जो पात्र बुजुर्ग की पेंशन बंद होने के बाद स्वत: कारण बताए और समाधान सुनिश्चित करे? महंगाई के दौर में 600 रुपए भले बड़ी रकम न हो लेकिन इन बुजुर्गों के लिए यही छोटी राशि दवा, राशन और रोजमर्रा की जरूरतों का सहारा थी. आखिर पात्रता होने के बावजूद इस सहारे को रोकने का जवाब कौन देगा?

इनका कहना है...

पांच महीने हो चुके हैं. मेरी पेंशन बंद हो गई है. दो बार झोन पर जा चुकी हूं. लेकिन अभी तक पेंशन चालू नहीं की गई. अब किसके पास जाऊं पता नहीं.

– शकुंतला बाई मरमट

बेटी दिव्यांग है उसको पेंशन मिल रही थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अचानक बिना कुछ बोले पेंशन बंद कर दी. बैंक के चक्कर लगा दिए लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ.

– मुन्नी बाई वर्मा

पेंशन बंद हुए इतने वर्ष बीत गए कि मुझे अब तो याद भी नहीं. शुरू-शुरू में सब दूर चक्कर लगाए, केवाईसी करवाई लेकिन कुछ नहीं हुआ तो मैंने भी आस छोड़ दी.

– आशा बाई जाटवा